



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

175] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 21, 1973/आषाढ़ 30, 1895
No. 175] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 21, 1973/ASADHA 30, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

CENTRAL EXCISES

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 21st July 1973

G.S.R. 356(E)—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 50/62—Central Excises, dated the 24th April, 1962, the Central Government hereby exempts woollen fabrics falling under Item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944(1 of 1944) and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

THE TABLE

Serial No.	Description	Duty
(1)	(2)	(3)
1.	Unprocessed fabrics	Nil
2.	Processed fabrics—	
	A. if woven by a factory (other than a composite mill) and	

(1)	(2)	(3)
	processed by an independent processor	
(i)	processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn spun on worsted system, the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%	2.5 % <i>ad valorem</i> .
(ii)	processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn (other than worsted or shoddy yarn), the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%—	
	(a) blankets other than those specified against item (iii) below,	2.5% <i>ad valorem</i> .
	(b) fabrics, other than blankets.	2% <i>ad valorem</i> .
(iii)	processed woollen blankets of inferior quality including woollen blankets commercially known as barrack blankets and hospital blankets, made out of woollen yarn spun from—	2% <i>ad valorem</i> .
	(a) 100% indigenous wool of the grade not finer than 40s, or	
	(b) 90% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with a maximum of 10% viscose rayon or nylon or any other fibre or fibre waste,	
	or	
	(c) 45% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with shoddy wool and a maximum of 10% nylon, the total wool contents of the blankets being not less than 80%.	
(iv)	processed woollen fabrics containing not less than 90% of shoddy yarn—	
	(a) blankets	2% <i>ad valorem</i> .
	(b) all others	1.5% <i>ad valorem</i> .
(v)	processed woollen fabrics, not elsewhere specified	4% <i>ad valorem</i> .
B. Others.		6% <i>ad valorem</i> .

EXPLANATION : For the purpose of this notification,—

- (i) "Independent processor" means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of woollen fabrics with the aid of power and who has no proprietary interest in any factory engaged in the spinning of yarn or weaving of cloth;
- (ii) "composite mill" means a manufacturer who is engaged in the spinning of woollen yarn, all sorts or weaving or processing of woollen fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities;
- (iii) "processed" means all processes which are ordinarily carried on with the aid of power or steam excluding the process of calendering with plain rollers;
- (iv) the grade of indigenous wool shall be as per IS : 5910-1970 of the Indian Standards Institution.

[No. 149/73]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1973

स।० का.० नि.० 356 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 50/62 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल 1962 को अधिकांत करने हुए, के केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 21 के अन्तर्गत आने वाले और इसमें उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट ऊनी कपड़ों को उन पर उद्ग्रहणीय उत्तरे उत्पाद-शुल्क से, जितना इस सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क अधिक हैं, छूट देती है ।

सारणी

क्रम संख्या	वर्णन	शुल्क
(1)	(2)	(3)
1	अप्रसंस्कृत कपड़े	कुछ नहीं
2	प्रसंस्कृत कपड़े—	
	(क) यदि (संयुक्त मिल से भिन्न) कारखानों द्वारा बुना गया हो और स्वतंत्र प्रसंस्कृति द्वारा प्रसंस्कृत किया गया हो —	
	(i) प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत वर्स्टेड पद्धति से काता गया सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो ।	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार ।
	(ii) प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत (वर्स्टेड या रही सूत से भिन्न) ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो —	
	(क) नीचे की मद (iii) के सामने विनिर्दिष्ट कम्बलों से भिन्न कम्बल	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(ख) कम्बलों से भिन्न कपड़े	2 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(iii) घटिया क्वालिटी के प्रसंस्कृत ऊनी कम्बल जिनके अन्तर्गत वे ऊनी कम्बल भी हैं जो व्यापारिक दृष्टि से बैरक कम्बलों और अस्पताली कम्बलों से ज्ञात हैं और जो	2 प्रतिशत मूल्यानुसार

1

2

3

निम्नलिखित से काते गए ऊनी
सूत से बनाए गए हैं—

(क) 100 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी
ऊन जो 40 एम से बढ़िया नहीं
है, या

(ख) 90 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी
ऊन जो अधिक से अधिक 10
प्रतिशत श्यान रेयन या नायलन
या किसी अन्य तन्तु या तन्तु
चिथड़ों से समिश्रित 40 एम से
बढ़िया नहीं है, अथवा

(ग) 45 प्रतिशत उस श्रेणी के विदेशी
ऊन जो रद्दी ऊन से और अधिक से
अधिक 10 प्रतिशत नायलन
से समिश्रित 40 एम से बढ़िया
नहीं है और कम्बलों की कुल
ऊनी अन्तर्वस्तु 80 प्रतिशत से
कम नहीं हो ।

(iv) प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से
कम 90 प्रतिशत रद्दी सूत हो —

(क) कम्बल 2 प्रतिशत मूल्यानुसार ।

(ख) सभी अन्य 1.5 प्रतिशत मूल्यानुसार ।

(v) वे प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिन्हें किसी
दूसरे स्थान पर विनिर्दिष्ट न 4 प्रतिशत मूल्यानुसार ।
किया गया हो ।

(ख) अन्य 6 प्रतिशत मूल्यानुसार ।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (i) “स्वतंत्र प्रसंस्कर्ता” से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से ऊनी कपड़ों के प्रसंस्करण में पूरी तरह से लगा हुआ है और जिसका सूत को कातने या कपड़े को बुनने वाले किसी कारखाने में कोई भी साम्प्रतिक हित न हो ।
- (ii) “संयुक्त मिल” से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से सभी प्रकार के ऊनी सूत को कातने या ऊनी कपड़ों को बुनने या उनके प्रसंस्करण में लगा हो और जिसका इस प्रकार के विनिर्माण क्रियाकलापों में से कम से कम दो में साम्प्रतिक हित हो;

- (iii) "प्रसंस्कृत" में अभिप्रेत है ऐसी सभी प्रक्रियाएँ जो सादा रोलरों से दबाने की प्रक्रिया से भिन्न विद्युत या भाप की सहायता से सामान्यतः की जाती हैं
- (iv) देशी ऊन की श्रेणी भारतीय मानक संस्था के मा० मा० 5910—1970 के अनुसार होगी ।

[149/73]

G.S.R. 357(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 116/62-Central Excises dated the 13th June, 1962, the Central Government hereby exempts processed woollen fabrics, woven by a factory (other than a composite mill) and processed by an independent processor and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

THE TABLE

Serial No.	Description	Duty
(1)	(2)	(3)
1.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn spun on worsted system, the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%.	2½% <i>ad valorem</i> .
2.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn (other than worsted or shoddy yarn), the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%:—	
	(i) blankets other than those specified against Serial Number 3 below.	2½% <i>ad valorem</i> .
	(ii) fabrics other than blankets	2% <i>ad valorem</i> .
3.	Processed woollen blankets of inferior quality including woollen blankets commercially known as barrack blankets and hospital blankets, made out of woollen yarn spun from—	1% <i>ad valorem</i> .
	(a) 100% indigenous wool of the grade not finer than 40s, or	
	(b) 90% indigenous wool of the grade with not finer than 40s blended with a maximum of 10% viscose rayon or nylon or any other fibre or fibre waste, or	
	(c) 45% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with shoddy wool and a maximum of 10% nylon, the total wool contents of the blankets being not less than 80%.	
4.	Processed woollen fabrics containing not less than 90% of shoddy yarn—	
	(i) blankets.	2% <i>ad valorem</i>
	(ii) all others.	1½% <i>ad valorem</i> .
5.	Processed woollen fabrics, not elsewhere specified.	4% <i>ad valorem</i> .

EXPLANATION : For the purpose of this notification,—

- (i) "independent processor" means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of woollen fabrics with the aid of power and who has no proprietary interest in any factory engaged in the spinning of yarn or weaving of cloth;

- (ii) "composite mill" means a manufacturer who is engaged in the spinning of woollen yarn, all sorts of weaving or processing of woollen fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities;
- (iii) the grade of indigenous wool shall be as per
IS : 5910-1970 of the Indian Standards Institution.

(No. 150/73)

सा०का०मि० 357(अ)—अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 की उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 116/62 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 13 जून, 1962 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार उन प्रसंस्कृत ऊनी कपड़ों को, जो (संयुक्त मिल से भिन्न) कारखाने द्वारा बने गये हों और स्वतंत्र प्रसंस्कर्ता द्वारा प्रसंस्कृत किये गये हों और जो उससे उपाबद्ध सारणी के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट हैं, इन पर उद्ग्रहणीय शुल्क के उतने भाग से छट देती है जितना हम सारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है।

सारणी

क्रम सं०	वर्णन	शुल्क
(1)	(2)	(3)
1	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत बस्टेड पद्धति से काता गया ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो।	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
2	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत (बस्टेड या रद्दी सूत से भिन्न) ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो	
	(i) नीचे की क्रम संख्या 3 के सामने विनिर्दिष्ट कम्बलों से भिन्न कम्बल	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(ii) कम्बलों से भिन्न कपड़े	2 प्रतिशत मूल्यानुसार
3	घटिया क्वालिटी के प्रसंस्कृत ऊनी कम्बल जिनके अन्तर्गत वे ऊनी कम्बल भी हैं जो व्यापारिक दृष्टि से बैरक कम्बलों और अस्पताली कम्बलों से ज्ञात हैं और जो निम्नलिखित से काते गए ऊनी सूत से बनाए गए हैं,—	1 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(क) 100 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो 40 एस से बढ़िया नहीं है, या	

(1)	(2)	(3)
(ख) 90 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो अधिक से अधिक 10 प्रतिशत ग्लान रेयन या नायलन या किसी अन्य तन्तु या तन्तु चिथड़ा से समिश्रित 40 एस से बढ़िया नहीं है, अथवा		
(ग) 45 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो रही ऊन से अधिक 10 प्रतिशत नायलन से समिश्रित 40 एस से बढ़िया नहीं है और कम्बलों की कुल ऊनी अर्न्तवस्तु 80 प्रतिशत से कम नहीं हो ।		
4 प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 90 प्रतिशत रही सूत हो—		
(i) कम्बल		2 प्रतिशत मूल्यानुसार
(ii) सभी अन्य		1.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
5 वे प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े (जिन्हें किसी दूसरे स्थान पर विनिविष्ट न किया गया हो)		4 प्रतिशत मूल्यानुसार

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (i) "स्वतंत्र प्रसंस्कर्ता" से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से ऊनी कपड़ों के प्रसंस्करण में पूरी तरह से लगा हुआ हो और जिसका सूत को कातने या कपड़े को बनने वाले किसी कारखाने में कोई भी साम्पत्तिक हित न हो ;
- (ii) "संयुक्त मिल" से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से सभी प्रकार के ऊनी सूत को कातने या ऊनी कपड़ों को बुनने या उनके प्रसंस्करण में लगा हो और जिसका इस प्रकार के विनिर्माण क्रियाकलापों में से कम से कम दो में साम्पत्तिक हित हो ;
- (iii) देशी ऊन की श्रेणी भारतीय मानक तस्मा के भागो मा० 5910-1970 के अनुसार होगी ।

[150/73]

G S R. 358(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 156/62—Central Excises, dated the 6th August, 1962, the Central Government hereby fixes for processed woollen fabrics produced by a factory other than a composite mill and specified in column (2) of the Table hereto annexed and chargeable with duty *ad valorem* under Item No. 21 of the First Schedule to the said Act, the tariff values specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table :

Provided that when any woollen fabrics specified in the said column (2) have depreciated in the opinion of the Collector to the extent of more than twenty per cent. of their value, the tariff values specified in the corresponding entry in the said column (3) shall not be applicable to such woollen fabrics.

THE TABLE

Serial No.	Description	Tariff value
(1)	(2)	(3)
		Rs. per kilogram
1.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn spun on worsted system, the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%	73.00
2.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn (other than worsted or shoddy yarn), the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%—	
	(i) blankets other than those specified against Serial Number 3 below.	25.00
	(ii) fabrics, other than blankets.	45.00
3.	Processed woollen blankets of inferior quality including woollen blankets commercially known as barrack blankets and hospital blankets, made out of woollen yarn spun from—	18.00
	(a) 100% indigenous wool of the grade not finer than 40s, or	
	(b) 90% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with a maximum of 10% viscose rayon or nylon or any other fibre or fibre waste, or	
	(c) 45% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with shoddy wool and a maximum of 10% nylon, the total wool contents of the blankets being not less than 80%.	
4.	Processed woollen fabrics containing not less than 90% of shoddy yarn—	
	(i) blankets	20.00
	(ii) all others	36.00

EXPLANATION :— For the purposes of this notification,—

- (1) 'composite mill' means a manufacturer who is engaged in the spinning of woollen yarn, all sorts or weaving or processing of woollen fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities;
- (2) 'processed' means all processes which are ordinarily carried on with the aid of power of steam excluding the process of calendering with plain rollers;
- (3) 'woollen fabrics' means woollen fabrics of every description except tufted woollen fabrics;
- (4) the 'grade' of indigenous wool shall be as per IS : 5910-1970 of the Indian Standards Institution.

[No. 151/73]

S. R. NARAYANAN, Under Secy.

सा० का० नि० 358(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 156/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 6 अगस्त, 1962 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े के लिए, जो संयुक्त मिल से भिन्न कारखाने द्वारा उत्पादित किया गया है और इससे उपायद्ध सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट है और जिस पर उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची की मद सं० 21 के अधीन मूल्यानसार शुल्क प्रभाय है, उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट टैरिफ मूल्य नियत करती है:

परन्तु जब उक्त स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट किसी ऊनी कपड़े का, कलक्टर की राय में, उसके मूल्य में बीस प्रतिशत से अधिक मात्रा तक अवक्षय हो गया हो तब उक्त स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट टैरिफ मूल्य ऐसे ऊनी कपड़ों को लागू नहीं होंगे।

सारणी

क्र०सं०	वर्णन	टैरिफ मूल्य
(1)	(2)	(3)
		६० प्रति किलोग्राम
1	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिसमें कम से कम 60 प्रतिशत वर्स्टेड पद्धति से काता गया सूत हो और जिसमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो	73.00
2	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत (वर्स्टेड या रद्दी सूत से भिन्न) ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो—	
	(i) नीचे की क्रम संख्या 3 के सामने विनिर्दिष्ट कम्बलों से भिन्न कम्बल	25.00
	(ii) कम्बलों से भिन्न कपड़े	45.00
3	घटिया क्वालिटी के प्रसंस्कृत ऊनी कम्बल जिनके अन्तर्गत वे ऊनी कम्बल भी हैं जो व्यापारिक दृष्टि से बैरक कम्बलों और अस्पताली कम्बलों से ज्ञात हैं और जो निम्नलिखित से काते गए ऊनी सूत से बनाए गए हैं—	18.00
	(क) 100 प्रतिशत उक्त श्रेणी के देशी ऊन जो 40 एस में बढ़िया नहीं है, या	
	(ख) 90 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो अधिक से अधिक 10 प्रतिशत ध्यान रेयन या नायलन या किसी अन्य तन्तु या तन्तु चिथड़ा से समिश्रित 40 एस० से बढ़िया नहीं है। अथवा	
	(ग) 45 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो रद्दी ऊन से और अधिक से अधिक 10 प्रतिशत नायलन से समिश्रित 40 एस से बढ़िया नहीं है और कम्बलों की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 80 प्रतिशत से कम नहीं हो।	

(1)

(2)

(3)

र० प्रति किलोग्राम

4 प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 90 प्रतिशत, रही सूत हो—

(क) कम्बल	20.00
(ख) सभी अन्य	36.00

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (1) “संयुक्त मिल” से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से सभी प्रकार के ऊनी सूत को कातने या ऊनी कपड़ों को बुनने या उनके प्रसंस्करण में लगा हो और जिसका इस प्रकार के विनिर्माण क्रियाकलापों में कम से कम दो में साम्यस्तिक हित हो।
- (2) “प्रसंस्कृत” से अभिप्रेत है सभी ऐसी प्रक्रियाएं जो सादा रोलरों से दबाने की प्रक्रिया से भिन्न विद्युत् या भाप की सहायता से सामान्यतः की जाती है।
- (3) “ऊनी कपड़ी” से अभिप्रेत है गुच्छेदार ऊनी कपड़ों के सिवाय हर वर्णन के ऊनी कपड़े।
- (4) देशी ऊन की श्रेणी भारतीय मानक संस्था के भा० मा० 5910-1970 के अनुसार होगा।

[151/73]

एस० आर० नारायणन, अध्वर सचिव,।